चन्द्रमा ग्रह का रत्न

मोती (Pearl) चन्द्र ग्रह का रत्न है और चन्द्र ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। शुद्ध मोती रत्न धारण करने के परिणाम दो वर्ष तक प्राप्त होते हैं। शुद्ध मोती रत्न के अभाव में चन्द्रमा के उपरत्नों का भी प्रयोग किया जा सकता है जैसे :- चन्द्रमणि, मून स्टोन आदि।

मोती रत्न की सामान्य पहचान

मोती रत्न देखने में श्वेत या हल्का गुलाबी और उज्जवल होता है। हाथ में लेने पर चिकनाई युक्त और वजन में हल्कापन वाला होता है।

मोती रत्न की सामान्य परीक्षण विधियां

गोमूत्र युक्त मिट्टी के पात्र में यदि मोती रत्न दो दिन बाद भी अखण्डित (दाग रहित) हो तो असली मोती है। जल युक्त कांच के गिलास में मोती से किरणें निकलती सी दिखाई देती हैं। दांतों से दबाने पर असली मोती टूट जाता है।

मोती रत्न धारण करने की विधि

मोती रत्न को चांदी की अंगूठी या लॉकेट में बनवाकर, उसकी प्राणप्रतिष्ठा करके या करवाकर किसी शुभ मुहूर्त में या पूर्णिमा के दिन या शुक्ल पक्ष के सोमवार या चन्द्रमा की होरा या चन्द्रमा नक्षत्र के दिन सुबह कनिष्ठा अंगुली (little finger) में धारण करना चाहिये।

मोती रत्न धारण करने के लाभ

जन्म पत्रिका में चन्द्रमा ग्रह के स्वामित्व भाव, चन्द्रमा ग्रह स्थित भाव, चन्द्रमा ग्रह की दृष्टि और दशा आदि में चन्द्रमा ग्रह के शुभ प्रभावों को बढ़ाने और अशुभ प्रभावों को कम करने में मोती रत्न सहायक होता है, साथ ही मन या मानसिक शक्ति के विकास, क्रोध को शांत

करने के लिए, फेफडों से संबंधित रोगों आदि का जल्दी निदान करने में भी सहायक सिद्ध होता है।

मोती रत्न धारण करने के लिए निर्देश और सावधानियां

मोती रत्न के पूर्ण शुभ फल प्राप्त करने के लिए अंगूठी या लॉकेट का निचला भाग भी खुला होना चाहिए ताकि मोती रत्न आपके शरीर को छू सके। मोती रत्न धारण करने के बाद यदि संभव हो सके तो तामसिक भोजन का प्रयोग न करें, नही तो कम से कम सोमवार के दिन तामसिक भोजन का प्रयोग बिलकुल न करें, धैर्य रखें, क्रोध न करें, झूठ न बोलें और सोमवार के दिन यथा-शक्ति चन्द्र ग्रह का मंत्र जप करें। **मोती रत्न धारण करनें के बाद 27 दिन के अन्दर यदि आपको प्रतिकूलता का अनुभव हो तो तुरंत ज्योतिषीय सलाह लें।**